**भारत सरकार**

**रेल मंत्रालय**

**राज्य सभा**

**06.03.2020 के**

**अतारांकित प्रश्न सं. 1879 का उत्तर**

**रेलगाड़ियों की प्रतीक्षा करने की अवधि के संबंध में ज़ोन-वार लेखापरीक्षा**

**1879. श्री परिमल नथवानीः**

**क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) क्या रेलवे ने दैनिक, द्विसप्ताहिक, त्रिसप्ताहिक यात्री/एक्सप्रेस गाड़ियों को गंतव्य

स्थान तक पहुँचने के बाद उनके प्रतीक्षा समय पर ज़ोन-वार लेखापरीक्षा का संचालन करवाया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) यदि नहीं, तो नजदीकी गंतव्य तक ट्रेनों के विस्तार, जिसे आस-पास के क्षेत्र में अतिरिक्त रेलगाड़ी भी समझा जा सकता है, हेतु राजस्व सृजन के लिए इसकी छानबीन नहीं करने के क्या कारण हैं; और

(घ) रेलगाड़ियों को उनके प्रतीक्षा समयावधि के दौरान नजदीकी गंतव्य तक रेलगाड़ियों का विस्तार करने के लिए रेलवे द्वारा कब तक एक व्यापक योजना शुरू की जाएगी?

**उत्तर**

**रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)**

(क) से (घ): भारतीय रेल द्वारा चल स्टॉक का इष्टतम उपयोग करने के लिए किए गए सतत प्रयास में कोचिंग स्टॉक के उपयोग की नियमित समीक्षाएं की जाती हैं और गाड़ियों के पड़ाव अवधि का लाभप्रद ढंग से उपयोग करके मौजूदा गाड़ी सेवाओं का विस्तार करने और त्यौहारों/शरदकाल/ग्रीष्मकाल अवधियों के दौरान स्पेशल गाड़ियां चलाने के प्रयास किए जाते हैं। इसके अलावा, जहां कहीं व्यावहारिक होता है, गाड़ियों की पड़ाव अवधि का इस्तेमाल नई गाड़ियां चलाने, विस्तार करने और गाड़ी सेवाओं के फेरों में वृद्धि करने के लिए भी किया जाता है। तदनुसार, अप्रैल 2019 और फरवरी 2020 तक की अवधि के बीच भारतीय रेल द्वारा रेकों की पड़ाव अवधि का 27 जोड़ी नई गाड़ियां चलाने, 43 जोड़ी गाड़ियों का विस्तार करने और 6 जोड़ी गाड़ी सेवाओं के फेरे बढ़ाने के लिए लाभप्रद ढंग से इस्तेमाल किया गया है।

\*\*\*\*\*